नियमित टीकाकरण अपनाएँ बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाएँ

नियमित टीकाकरण सारणी

गर्भवती महिलाओं के लिए

टी.टी. का पहला टीका
गर्भ का पता लगते ही

टी.टी. का दूसरा टीका
एक महीने बाद

टी.टी. का बूस्टर टीका
यदि पिछले 3 साल में टी.टी. का टीका लिया गया हो

जन्म पर

- बी.सी.जी., हेपेटाइटिस-बी की जन्म ख़ुराक और ओ.पी.वी. की ज़ीरो डोज़

निःशुल्क टीकाकरण
सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर

1½, 2½ और 3½ महीने पर

- पेंटावैलेंट-1,2,3 (डी.पी.टी., हेपेटाइटिस-बी, एच.आई.बी.), आई.पी.वी. और ओ.पी.वी.-1,2,3 की ख़ुराक

9 महीने पर

- खसरा-1, जे.ई*-1 और विटामिन-ए की प्रथम ख़ुराक**

16 से 24 महीने पर

- डी.पी.टी. प्रथम बूस्टर और ओ.पी.वी. का बूस्टर, खसरा-2, जे.ई*-2 और विटामिन-ए की दूसरा टीका

5 साल में

- डी.पी.टी. दूसरा बूस्टर टीका

10 और 16 साल

- टी.टी. बूस्टर

*जे.ई.-केवल कुछ जिलों और राज्यों के अंदर **विटामिन-ए की ख़ुराक 5 साल तक हर 6 माह पर

याद रखें:

- बच्चा अगर बीमार हो, या कुपोषित हो तो भी उसे टीके लगवाना सुरक्षित है।
- टीकाकरण के बाद सूजन, बुख़ार, चिड़चिड़ापन आदि जैसे साममान्य प्रभाव हो तो भी बच्चे को अगला टीका अवश्य लगवाएँ।
- टीकाकरण कार्ड को सुरक्षित रखें तथा अगले टीकाकरण सत्र में साथ लाना न भूलें।

unicef
unite for children

अधिक जानकारी के लिए आशा, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और ए.एन.एम. से संपर्क करें

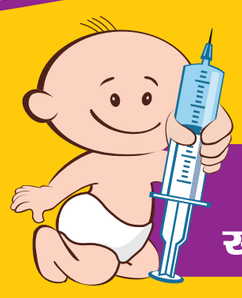

समझदारी दिखाएँ!
अपने बच्चे का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएं